nandgaon times may-09-02.qxd 5/8/2024 11:59 PM Page 1

प्रदेश के प्रथम पुलिंग सबस्टेशन... पृष्ठ 2 | कलेक्टर ने बैगा बाहुल वनांचल गांवों... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

नोट :- मकान, फ्लैट, दुकान, गोदाम किराये पर लेने एवं देने की विशेष व्यवस्था साथ ही जमीन प्लाट हेतु डायवर्सन के दस्तावेज व ऋण पुस्तिका बनवाने के कार्य की सुविधा।

।। जय श्री जलाराम ।।

श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर

उचित दर पर मकान, फ्लैट, डुप्लेक्स, दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लाट की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।

ऑफिस- बागड़ी ब्रदर्स के बाजू में, रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव।

मोः 98274-61508, 83192-88559

गुरूवार, 09 मई 2024, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 48, अंक 206, पृष्ठ 06, मूल्य 2 रुपए

सैम पित्रोदा के 'रंगभेद' बयान पर पीएम मोदी भड़के

कहा- शहजादे के फिलॉसफर गाइड ने मुझे गुस्सा दिला दिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के वारंगल में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान पर कांग्रेस और राहुल गांधी को जमकर घेरा। पीएम मोदी ने तेलंगाना के वारंगल में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि शहजादे के फ्लॉस्फर और गाइड अंकल ने बड़ा रहस्य खोला है। उन्होंने कहा कि जिनकी चमड़ी का रंग काला होता है, वो सब अफ्रीका के हैं, मतलब देश के अनेक लोगों को चमड़ी के रंग के आधार पर उन्होंने इतनी बड़ी गाली दे दी। पीएम मोदी ने सैम पित्रोदा के नस्लीय टिप्पणी वाले बयान पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का बिना नाम लिए हमला बोलते हुए कहा कि मैं बहुत सोच रहा था, द्रौपदी मुर्मू की अच्छी प्रतिष्ठा है, आदिवासी समाज की एक प्रतिष्ठित बेटी हैं। उनको हम राष्ट्रपति बना रहे हैं। कांग्रेस उनको हराने के लिए इतनी मेहनत क्यों कर रही है। कांग्रेस आदिवासियों को क्यों नाराज कर रही है। मैं सोचता रहता था, लेकिन, मुझे समझ में नहीं आता था। शहजादे का दिमाग ऐसा फिर ठीक है तो शायद वो द्रौपदी मुर्मू का विरोध कर रहे हैं, उनको चुनाव में हराने के लिए निकल पड़ा है। लेकिन, मुझे आज पता चला। ये कांग्रेस पार्टी द्रौपदी मुर्मू जो एक आदिवासी बेटी हैं। उनको हराने के लिए क्यों मैदान में उतरे थे। उन्होंने आगे कहा कि आज मुझे पता चला कि अमेरिका में शहजादे के एक अंकल रहते हैं, ये शहजादे के अंकल फ्लॉस्फर और गाइड हैं। जैसे क्रिकेट में आजकल थर्ड अंपायर होता है, अगर कोई भी कंफ्यूजन होता है तो थर्ड अंपायर से पूछते हैं और वैसे ही ये शहजादे को

कोई कंफ्यूजन होता है तो थर्ड अंपायर से सलाह लेते हैं। ये शहजादे के फ्लॉस्फर और गाइड अंकल ने बड़ा रहस्य खोला है। उन्होंने कहा कि जिनकी चमड़ी का रंग काला होता है, वो सब अफ्रीका के हैं, मतलब देश के अनेक लोगों को चमड़ी के रंग के आधार पर उन्होंने इतनी बड़ी गाली दे दी। तब जाकर मुझे समझ में आया है कि चमड़ी का रंग देखकर के उन्होंने मान लिया द्रौपदी मुर्मू भी अफ्रीकन हैं और इसलिए उनकी चमड़ी का रंग काला है तो उनको हराना चाहिए। ये सोच तो मुझे पहली बार पता चली है कि इनका दिमाग कहां काम कर रहा है। चमड़ी का रंग कोई भी हो, हम तो भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने वाले लोग हैं। जिनकी चमड़ी का रंग यहां हम सब जैसा था। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज मैं बहुत गुस्से में हूं। मुझे कोई गाली दे, गुस्सा नहीं आता है। मैं सहन कर लेता हूं। लेकिन आज शहजादे के फ्लॉस्फर ने इतनी बड़ी गाली दी है, जिसने मुझमें गुस्सा भर दिया है। क्या हमारे देश में चमड़ी के रंग के आधार पर लोगों की योग्यता तय होगी। संविधान के सिर पर नाचने वाले लोग चमड़ी के रंग के आधार पर मेरे देशवासियों का अपमान कर रहे हैं। शहजादे आपको जवाब देना पड़ेगा। चमड़ी के रंग के आधार पर मेरे देशवासियों का अपमान देश सहन नहीं करेगा और मोदी बिल्कुल नहीं करेगा।दरअसल, सैम पित्रोदा ने भारतीयों के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी करते हुए कहा कि उत्तर भारत के लोग तो सफेद गोरे जैसे नजर आते हैं, जबकि, पूर्वी भारत के लोग चाइनीज जैसे दिखते हैं। दक्षिण भारतीय लोग अफ्रीकी जैसे और पश्चिम भारत के लोग अरब के लोगों जैसे दिखते हैं। हालांकि, विवाद बढ़ता देख कांग्रेस ने सैम पित्रोदा ने इस बयान से किनारा करते हुए इसे उनकी निजी राय बताई।

छ.ग. बोर्ड के परिणाम को लेकर सीएम साय ने छात्रों को दी अग्रिम बधाई

कहा - असफल छात्र न हों निराश, सरकार आपके अभिभावक की तरह आपके साथ

रायपुर. गुरुवार को आने वाले सीजी बोर्ड के परिणाम को लेकर सीएम विष्णुदेव साय ने छात्रों को अग्रिम बधाई दी है. साथ ही कहा है कि अगर किसी कारण कोई बच्चे नंबर की दौड़ में उतने आगे नहीं भी बढ़ पाए हों, तो चिंता की बात नहीं है. निराश होने की आवश्यकता नहीं है. छत्तीसगढ़ सरकार आपके अभिभावक की तरह आपके साथ है. जीवन में सदैव आगे बढ़ें. मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्ग के जरिए छात्रों से कहा है कि प्रिय बच्चों, कल सीजी बोर्ड के परिणाम आने वाले हैं. जिनके परिणाम अपेक्षा के अनुरूप आयेंगे उन्हें अग्रिम बधाई, अगर किसी कारण आप नंबर की दौड़ में उतने आगे नहीं भी बढ़ पाए हों, तो चिंता की बात नहीं है. निराश होने की आवश्यकता नहीं है. छत्तीसगढ़ सरकार आपके अभिभावक की तरह आपके साथ है. जीवन में सदैव आगे बढ़ें.

पूर्व सीएम बघेल ने किया ओडिशा में प्रचार : कांग्रेस प्रत्याशी सप्तगिरि उल्का के रोड शो में हुए शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के लिए सभी 11 सीटों पर वोटिंग पूरी हो गई है. मतदान समाप्त होते ही छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ओडिशा के चुनावी रण में उतर गए हैं. आज उन्होंने उड़ीसा के काशीपुर में कोरापुट लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी एवं छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सह-प्रभारी सप्तगिरी शंकर उल्का के लिए च्च्रोड-शोज्ज् कर वोटिंग अपील की. कोरापुट लोकसभा क्षेत्र में आज कांग्रेस के रोड शो के दौरान भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और आम लोगों की भीड़ उमड़ी थी. इस दौरान उन्होंने दावा करते हुए कहा कि देशभर में कांग्रेस के न्याय की लहर चल रही है और 4 जून को देश में ढ्ढह्लढ्ढ गठबंधन की सरकार बनने जा रही है. बता दें कि ओडिशा में 21 संसद सदस्यों को चुनने के लिए 4 चरणों में 13 मई 2024 से 1 जून 2024 तक मतदान होगा. पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में बीजेडी ने 12, बीजेपी ने 8 और कांग्रेस ने 1 सीट जीती थी.

ओडिशा के बाद यूपी में राहुल के मोर्चा संभालेंगे भूपेश

गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा सीट का पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया है. माना जा रहा है कि भूपेश बघेल रायबरेली की चुनावी रणनीति के लिए जल्दी उत्तर प्रदेश और लखनऊ का दौरा करेंगे. आपको बता दें कि इस बार रायबरेली से लोकसभा सीट से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं. उसके लिए रणनीति बनाने की जिम्मेदारी भूपेश बघेल को दी गई है.

भाजपा की पूरी मशीनरी राहुल के बारे में झूठ फैलाने में जुटी : प्रियंका गांधी

बछरावां। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार को रायबरेली के बछरावां में राहुल गांधी के पक्ष में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा की पूरी मशीनरी राहुल गांधी के बारे में झूठ फैलाने में जुटी है। भाजपा आम जनता को गुमराह करने में जुटी है। इनके राज में महंगाई बढ़ी है। हमारी सरकार आने पर आशा वर्कर्स से लेकर मनरेगा के कर्मचारियों के वेतन को दोगुना किया जायेगा। चुनाव के पहले 200 रुपए सिलेंडर का दाम घटा करके यह लोग लॉलीपॉप दे रहे हैं। हमारी मां ने राहुल गांधी को आपके पास भेजा है।

सड़क दुर्घटना में फिर दो युवक की मौत

चंदिया और संबलपुर के बीच हुआ दो बाइक में टक्कर, दो गंभीर, राजनांदगांव रिफर

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। बुधवार को दोपहर में चंदिया गिदर्री मार्ग पर हुए भीषण सडक़ दुर्घटना में दो युवकों की जान चली गई। वहीं दो बालिका गंभीर अवस्था में जिंदगी और मौत से संघर्ष करने को मजबूर हैं। एक सप्ताह के भीतर यह दूसरी सडक़ दुर्घटना है, जिसमें दो बाईक में सवारों के बीच आमने सामने टक्कर हुई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गिदर्री निवासी रूपेश कुमार आ. कलीराम पटेल (24 वर्ष) अपनी बाईक क्र. सीजी 07 जेडएस 1449 में अपनी रिश्तेदार भूमि आ. संतोष पटेल (12 वर्ष) तथा दामिनी आ. श्रीराम पटेल (12 वर्ष) को उमरवाही से लेकर अपने गृहग्राम वापस लौट रहा था, तभी चंदिया संबलपुर के बीच अंधे मोड़ में उसकी बाईक को सामने से बाईक क्र. सीजी 07 जी 0671 में तेज

रफ्तार से आ रहे चोवाराम आ. चम्मनलाल रावटे (24 वर्ष) संबलपुर ने जोरदार टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर से दोनों बाईक में सवार चारों लोग अलग अलग गिर पड़े। दोनों की बाईक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों बाईक के सामने के हिस्से के परखच्चे उड़ गये। वहां से गुजर रहे लोगों ने किसी तरह डायल 112 तथा पुलिस को कॉल किया। तत्पश्चात् पुलिस की गाड़ी में लादकर सभी घायलों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया, लेकिन यहां पर डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायल रूपेश कुमार तथा चोवाराम को मृत घोषित कर दिया। वहीं इस सडक़ दुर्घटना में घायल भूमि तथा दामिनी को सिर में गंभीर चोट, हाथ पैर में फ्रैक्चर तथा नाक कान से खून निकलने की वजह से मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव रिफर किया गया। इनमें से भूमि की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दूसरी बाईक में सवार चोवाराम बुरी तरह से शराब के नशे में था तथा लहराकर बाईक चला रहा था। उसी स्थिति में अंधे मोड़ में उससे बाईक नहीं संभल पाया और सामने से आ रहे बाईक से अपनी बाईक भिड़त हो गया जिसमें स्वयं के साथ सामने बाईक सवार की असमय मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रूपेश के शव का आज पीएम कर मृत शरीर उनके परिवारजनों को सौंप दिया गया है, वहीं एक अन्य मृतक चोवाराम के शव का पीएम गुरूवार को होगा। बताया गया कि मृतक रूपेश के अलावा माता पिता सहित तीन बहनें हैं। वह अपने माता पिता का एकमात्र पुत्र था, जिसकी असमय मौत के बाद घर सहित गांव में मातम छाया हुआ है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

रामद्रोहियों का पतन शाश्वत सत्य है : योगी आदित्यनाथ'

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि तीन चरण के चुनाव संपन्न होने के साथ ही देश की आधी लोकसभा सीटों पर चुनाव संपन्न हो चुके हैं। पूरे देश में एक ही आवाज गूंज रही है, 'फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार।' उन्होंने कहा कि इस नारे ने ऐसा जादू किया है कि विपक्षी दल चारों खाने चित्त हो गये हैं। जब उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा है तो भारत के खिलाफ साजिश में लिप्त हो गये हैं। विपक्षी दलों के बयानों को पढ़ने से स्पष्ट हो चुका है कि ये चुनाव रामभक्त और रामद्रोहियों के बीच में हैं। जो रामभक्त हैं वही राष्ट्रभक्त भी हैं। मुख्यमंत्री योगी यहां घाटमपुर स्थित पतारा रेलवे स्टेशन मैदान में आयोजित अकबरपुर लोकसभा सीट के लिए विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पार्टी प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले के पक्ष में जनता से वोट की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अकबरपुर का नाम ही ऐसा है कि बार बार बोलने में संकोच लगता है। ये सब बदल जाएगा। हमें गुलामी के निशानों को समाप्त और विरासत का सम्मान करना है। इस क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा के साथ जोड़ना है। इसके लिए जो अभियान देश में शुरू हुआ है, उसमें हमें भी एक वोट के साथ सहभागी बनना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सनातन सत्य है कि रामद्रोहियों का पतन हमेशा हुआ है। 2024 का लोकसभा चुनाव इस शाश्वत सत्य की पुष्टि करने वाला है। उन्होंने कहा कि ये केवल सरकार बनाने का चुनाव नहीं है। एक तरफ मोदी जी के नेतृत्व में देश को नये और आत्मनिर्भर भारत के रूप में स्थापित किया जा रहा है, दूसरी तरफ रामद्रोही हमें जाति, क्षेत्र के नामपर लड़ाने का काम कर रहे हैं।

भगवान परशुराम के अनुसार सत्य की रक्षा के लिए युद्ध अनिवार्य - शिवशंकर जोशी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। कल अक्षय तृतीया है और इसी दिन भगवान विष्णु के अवतार परशुराम जी की जयंती भी मनायी जाती है। भगवान परशुराम ब्राह्मणो के विशेष अराध्य देव है और ब्राह्मण समुदाय स्वयं को इनका वंशज भी मानता है। राजस्थानी गौड ब्राह्मण समाज राजनांदगांव में अपने अराध्य भगवान परशुराम जयंती बडु धूमधाम से मनाता है और पावर हाऊस रोड स्थित परशुराम भवन में विशेष पूजा अर्चना के साथ दिन भर विशेष आयोजन भी होते रहते है।

भारत में रामकथा के बारे में प्राय: हर कोई थोडा बहुत तो जानता ही है और इसलिए सीता स्वयंवर के प्रसंग भी प्राय: सभी जानते है। भगवान परशुराम के धनुष को भगवान राम द्वारा उठाकर उस पर प्रत्यांचा चढाना,परशुराम जी का क्रोध आदि के बारे में थोडा थोडा सभी जानते है।आज परशुराम भवन पहुंचने पर हमारी मुलाकात गौड ब्राह्मण समाज के प्रतिष्ठित सदस्य व शहर के नामी आयुर्वेदाचार्य व ज्योतिषाचार्य पंडित शिवशंकर जोशी जी से हुई और हमने उनसे भगवान परशुरामजी पर कुछ बातचीत की जिसका अंश प्रस्तुत है --

नांटा - समाज में नैतिक व्यवस्था के विषय को आप भगवान परशुराम के संदर्भ में कैसे देखते है?

जोशी महाराज - नैतिक व्यवस्था की मांग को लेकर सदियों से समाज मे जो वैचारिक युद्ध चलता आया है उसके जनक भगवान परशुराम जी ही माने जाते है मानव सभ्यता के इतिहास मे वे पहले क्रांतिकारी है जिन्होंने सत्य की रक्षा के लिए युद्ध को अनिवार्य बताया।

नांटा - भगवान परशुराम अन्याय सहना और अन्याय पर मौन धारण करना दोनों के ही सख्त विरोधी थे। इस पर आप क्या कहेंगे?

जोशी महाराज - भगवान श्री परशुराम जी वैदिक युग और ब्राह्मण युग के संधिपुरूष है वे शास्त्र मे जीते है किंतु अन्याय का सामना करने के लिए शस्त्र को पूजा की वस्तु नहीं मानते और इस पर बुद्धिजीवी के मौन धारे बैठे रहने को अनुचित मानते थे।

गौड ब्राह्मण समाज के बहुप्रतिष्ठित स्वर्गीय मथुरा महाराज के पुत्र शिव जोशी ने आगे कहा कि परशु धारण के चलते वे परशुराम कहलाए श्री परशुराम ने युग धर्म का निर्वाह करने के लिए क्रोध की आवश्यकता को नैतिक करार दिया।

नांटा - अन्याय को सहन करने वालों पर भगवान परशुराम के क्या विचार थे?

जोशी महाराज - भागवान परशुराम जी का मानना था कि अन्याय को सहन करने वाला और दब कर पड़ा रहने वाला मनुष्य मरा हुआ है भले वह किसी भी कुल में जन्म लिया हो व सम्मान का अधिकारी नहीं!

नांटा - सहिष्णुता और क्रोध दोनों को साथ लेकर चलना भगवान परशुराम जी कैसे संभव कर पाते थे?

जोशी महाराज - परशुराम जी आगाह करते हैं कि सहिष्णु रहे चाहे जिस सीमा तक किन्तु लोहा कभी भी ठंठा मत होने देना। जीवन अंतत: एक भीषण युद्ध है इसे जीते बिना मुक्ति संभव है ही नही इसलिए वे बार-बार कहते है योद्धा बनो वे स्वयं को क्रांतिकारी घोषित करते हैं पराक्रमी घोषित करते हैं कभी अपने आप को भगवान घोषित नहीं करते उनके अनुसार युद्ध के भीतर ही भगवान का निवास है वर्तमान दौर में परशुराम जी का होना आवश्यक है संपूर्ण मानव जाति को परशुराम जी की प्रतीक्षा है!!

नांटा - शास्त्रानुसार इस दिन का हमारे जीवन में क्या महत्व है?

जोशी महाराज - शास्त्रों में अक्षय तृतीया को स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना गया है। अक्षय तृतीया के दिन मांगलिक कार्य जैसे-विवाह, गृहप्रवेश, व्यापार अथवा उद्योग का आरंभ करना अति शुभ फलदायक होता है। सही मायने में अक्षय तृतीया अपने नाम के अनुरूप शुभ फल प्रदान करती है। अक्षय तृतीया पर सूर्य व चंद्रमा अपनी उच्च राशि में रहते हैं।इस वर्ष 2024में अक्षय तृतीया 10मई 2024 दिन शुक्रवार को होगी।

नांटा - इसके अलावा और कुछ?

जोशी महाराज - इस तिथि को चारों धामों में से उल्लेखनीय एक धाम भगवान श्री बद्रीनारायण के पट खुलते हैं। अक्षय तृतीया को ही वृंदावन में श्रीबिहारीजी के चरणों के दर्शन वर्ष में एक बार ही होते हैं। अक्षय तृतीया के विषय में मान्यता है कि इस दिन जो भी काम किया जाता है उसमें बरकत होती है। यानी इस दिन जो भी अच्छा काम करेंगे उसका फल कभी समाप्त नहीं होगा अगर कोई बुरा काम करेंगे तो उस काम का परिणाम भी कई जन्मों तक पीछा नहीं छोड़ेगा। धरती पर भगवान विष्णु ने 24 रूपों में अवतार लिया था। इनमें छठा अवतार भगवान परशुराम का था। पुराणों में उनका जन्म अक्षय तृतीया को हुआ था। इस दिन धरती पर गंगा अवतरित हुई। सतयुग, द्वापर व त्रेतायुग के प्रारंभ की गणना इस दिन से होती है।

प्रदेश के प्रथम पुलिंग सबस्टेशन का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

खैरागढ़ के सहसपुर में स्थापित हुआ हैं विद्युत निर्माण के लिये प्रथम सोलर पार्क, सोलर पार्क से हो रहा प्रतिदिन 20 मेगावाट बिजली का उत्पादन

जिले की प्रगति के लिहाज से सौर ऊर्जा भविष्य की कल्याणकारी परियोजना

खैरागढ़ (नांदगांव टाइम्स)। जिला मुख्यालय खैरागढ़ से लगे सहसपुर में सौर ऊर्जा से विद्युत निर्माण के लिये प्रदेश के साथ ही जिले का प्रथम सोलर पार्क स्थापित हुआ हैं. इस सोलर पार्क से प्रतिदिन 20 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा हैं. जिले सहित प्रदेश की प्रगति के लिहाज से सौर ऊर्जा से संचालित यह सोलर पार्क भविष्य की कल्याणकारी परियोजना का नया सोपान है और उम्मीद की जा रही है कि इसकी तर्ज पर भविष्य में और भी सोलर पार्क प्रदेश के अलग-अलग जिलों में स्थापित किए जाएंगे. ज्ञात हो कि कलेक्टर चंद्रकांत वर्मा द्वारा बुधवार को ग्राम सहसपुर में स्थापित जिले के प्रथम सोलर पार्क का निरीक्षण किया गया. उन्होंने सोलर पार्क के संबंध में संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की और इस दौरान श्री वर्मा ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से जिले में सौर ऊर्जा को लेकर और अधिक संभावनाओं पर गहन विचार-विमर्श किया. उन्होंने सौर ऊर्जा को लेकर सकारात्मक संभावनाओं की तलाश करने की बात कही और जिले की प्रगति के लिहाज से सौर ऊर्जा को एक जरुरी परियोजना बताया. कलेक्टर ने आगे कहा कि इस दिशा में और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है. जिले में जहाँ सौर परियोजना विकसित करने की संभावनाएं है, उस पर तेजी के साथ काम करना है.

वर्तमान में 20 मेगावाट बिजली का हो रहा उत्पादन- शर्मा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड खैरागढ़ के अंतर्गत ग्राम सहसपुर में मेसर्स एसआरवी सोलर ऊर्जा प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगभग 50 एकड़ भूमि में प्रदेश का प्रथम पुलिंग सबस्टेशन स्थापित किया गया है. जिसके संबंध में विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता छगन शर्मा ने बताया कि यह सोलर पार्क में 20 मेगावाट बिजली का उत्पादन प्रारंभ हो रहा है, उन्होंने बताया कि उत्पादित बिजली को ग्राम कुम्ही स्थित 132/33 केवी सबस्टेशन में इंजेक्ट किया जा रहा है. जिससे खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में बिजली आपूर्ति करने में सहूलियत हो रही है और आम उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिल रहा है. यह भी जानकारी दी कि मेसर्स एसआरवी सोलर ऊर्जा प्राईवेट लिमिटेड के द्वारा 7 सोलर कंपनियों के माध्यम से सोलर पार्क स्थापित किया गया है. इसके अलावा जिले के गंडई तहसील के ग्राम ठंडार में 40 मेगावाट का नये सोलर पार्क स्थापित करने का कार्य निर्माणाधीन है, निर्माण उपरांत उत्पादित बिजली को 132/33 केवी सबस्टेशन गंडई में इंजेक्ट किया जाएगा. निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता केके सुनहरे एवं एसआरवी सोलर के जीएम सतपथी सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे.

एम. ए. हिंदी के विद्यार्थियों की बिदाई

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के हिंदी विभाग में एम. ए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की विदाई दी गई। प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर, विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय, डॉ. बी. एन. जागृत, डॉ. प्रवीण कुमार साहू सहित विभागीय प्राध्यापकों की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में एम. ए. पूर्व के विद्यार्थियों ने तिलक लगाकर और उपहार भेंट कर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का अभिनंदन और स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों नें अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों को अपना फीडबैक भी दिया। प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने बिदाई समारोह के आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए एम. ए. अंतिम के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने कहा कि विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे एक अच्छे नागरिक के रूप में इस संस्था की पहचान बनायें। डॉ. बी. एन. जागृत ने कहा कि सभी विद्यार्थी किसी भी तरह की उपलब्धि प्राप्त करते हैं तो उनकी जानकारी हिंदी विभाग को अवश्य दें। डॉ. प्रवीण कुमार साहू ने अपने उद्बोधन में कई प्रसंगो के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया। डॉ. गायत्री साहू, कौशिक बिशी, और रितु यादव अतिथि प्राध्यापक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन छात्र मनीष कुमार और कैलाशचंद ने किया।

परशुराम जयन्ती पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। भगवान् परशुराम जयन्ती के पावन अवसर पर ब्राम्हण समाज डोंगरगढ़ के तत्वाधान में 3 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। विप्र भवन काली मंदीर, केदारबाड़ी खैरागढ़ डोंगरगढ़ रोड स्थित भवन में 8 मई 2024 को महिलाओ द्वारा कार्यक्रम, 9 मई दिन गुरुवार शाम 4 बजे से महिलाओ के लिए रंगोली, थाल सजाओ, मोमबत्ती जलाना व भगवान परशुराम के जीवनी पर संक्षिप्त निबंध, चौपाई, दोहा व अन्य प्रतियोगिता का आयोजन व 10 मई 2024 शुक्रवार को शाम 4 बजे विप्र भवन से शोभा यात्रा प्रारंभ (मोटर साईकिल) से नगर भ्रमण करते कार्यक्रम स्थल तक। शाम 4 बजे से सुंदरकांड पाठ किया जायेगा। 7.30 बजे भगवान् परशुरामजी की पूजा अर्चना आरती के पश्चात सामाजिक प्रतियोगिता में शामिल महिलाओं एवं बच्चों को प्रोत्साहन, विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त करने वाले विप्रवर को विप्र गौरव सम्मान व समाज के आशीर्वादक वरिष्ठजनो को सम्मान व 8.30 बजे से भोजन प्रसादी रखा गया है। इस अवसर पर डोंगरगढ़ ब्लॉक के स्वजातीय ब्राह्मण परिवारों से सविनय आग्रह किया गया है कि सभी आमन्त्रण स्वीकार कर भगवान् परशुराम जयन्ती कार्यक्रम में सहभागी बन पुण्य लाभ अर्जित करें।

आज के जीवन में जरूरी है माइंड मैनेजमेंट की - सुधाकर मुनि

शांतिपूर्ण जीवन के लिए यह जरूरी है कि हमारा माइंड पीसफुल पॉजिटिव और पावरफुल हो

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। युग प्रधान गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री सुधाकर जी ने आज यहां कहा कि आज के जीवन में माइंड मैनेजमेंट की बहुत ज्यादा जरूरत है। माइंड यदि शांत है तो जीवन में सब कुछ अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि जीवों का आधार जिस तरफप्रकृति और धरती है , वैसे ही जितने भी तीर्थंकर हुए हैं और होंगे उनका आधार शांति है। धर्म का पहला सूत्र है शांति जीवन। तेरापंथ भवन में आज अपने प्रवचन के दूसरे दिन उन्होंने कहा कि शांति और अशांति के बीज हमारे भीतर ही हैं। अब सवाल यह उठना है कि हम किसे पसंद करते हैं शांति को या अशांति को। जीवन में आज किसी मैनेजमेंट की जरूरत है तो वह है मूड मैनेजमेंट की। मूड और माइंड मैनेजमेंट दोनों एक दूसरे के साथ है। उन्होंने कहा कि मस्तिष्क सबसे शक्तिशाली है क्योंकि हम कोई भी क्रिया करते हैं तो वह कमांड मस्तिष्क को देता है। उन्होंने कहा कि आप अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं कर सकते तो यह मान लीजिए कि आपके पास आपका नियंत्रण नहीं है। आपके इमोशन पर आपका नियंत्रण होना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि धर्म हमें सामायिक सिखाता है। सामायिक स्वयं को देखना, जानना और स्वयं को विपरीत परिस्थितियों में भी कैसे पेश करें, यह सिखाता है। धर्म सिखाता है आपका पीसफुल माइंड कैसे हो। दो मिनट का गुस्सा भी आपकी जिंदगी तबाह कर सकता है। यह गुस्सा हंसते खेलते परिवार को वीराने में बदल देता है। जीवन एक संग्राम है। परिस्थितियां तो बदलती रहती है। माइंड को पीसफुल बनाना है तो क्रोध को हमें दूर रखना होगा। विवाद जिंदगी को नर्क बनाता है और संवाद जिंदगी को स्वर्ग बनाता है। परिस्थितियां कैसी भी हो ,अपने मन को संदेश दें कि जीव शांत रहे। मुनि श्री सुधाकर जी ने कहा कि पीसफुल माइंड, पॉजिटिव माइंड होने पर ही हो सकता है। आप अपने मस्तिष्क को सकारात्मक सोच दें। हम दूसरों को पॉजिटिव देखते हैं तो हमारा जीवन भी पॉजिटिव हो जाता है। पॉजिटिव सोच जीवन में शांति लाता है। उन्होंने कहा कि समय बदलेगा, लोग बदलेंगे परंतु हमें अपने शांतिपूर्ण विचार को नहीं बदलना चाहिए। सकारात्मक रहने के लिए पीछे का जिक्र एवं आगे की फिक्र नहीं करनी चाहिए। पीसफुल और पॉजिटिव माइंड होने पर हमारा माइंड स्वयं ही पावरफुल हो जाएगा। शांतिपूर्ण जीवन के लिए यह जरूरी है कि हमारा माइंड पीसफुल, पॉजिटिव और पावरफुल हो। इससे पहले मुनि श्री नरेश जी ने कहा कि धर्म अजर-अमर एव अविनाशी है। जीवन तभी आनंद देता है जब मन में करुणा और दया का भाव हो।

किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज एवं खाद सहज उपलब्ध कराएं - कलेक्टर

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने खरीफ फसल के दृष्टिगत जिले में खाद-बीज भण्डारण एवं वितरण के संबंध में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की बैठक लेकर समीक्षा की। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने खाद-बीज के भंडारण और किसानों को किए जा रहे वितरण की जानकारी ली। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि जिले में लक्ष्य के अनुरूप खाद-बीज का भण्डारण हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी सोसायटी में पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तायुक्त बीज का भंडारण रखें और किसानों की मांग पर बीज का वितरण किया जाए। उन्होंने समय-समय पर बीज की गुणवत्ता को जांच करने अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज एवं खाद सहज उपलब्ध हो जाना चाहिए। उन्हें खाद-बीज के लिए दुबारा सोसायटी आने की जरूरत नहीं पडऩी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को अनावश्यक खाद-बीज के लिए दिक्कत नहीं होना चाहिए। उन्होंने जिन सोसायटियों में खाद-बीज उपलब्ध नहीं है वहां तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जैविक खेती से होने वाले फायदें के संबंध में किसानों को जागरूक करने कहा। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए गांव-गांव में जाकर किसानों को प्रोत्साहित करने कहा। जैविक खेती के उत्पाद स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से लाभप्रद है। इसके फायदे किसानों को बतायें। इसके साथ ही मिट्टी की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होती है। रासायनिक खेती के दुष्परिणाम एवं हानि से किसानों को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि रासायनिक खेती से भूमि की उर्वरा शक्ति कम होती है। अच्छी गुणवत्ता की पैदावार नहीं हो पाती है। कम मात्रा में पैदावार होती है। जिससे किसानों की आय में कमी होती है। उन्होंने किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने कहा। इसके साथ किसानों को पैदावार बढ़ाने के संबंध में सलाह देने कहा। जिससे किसानों के आय में वृद्धि होगी। बैठक में उप संचालक कृषि श्री नागेश्वर लाल पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आत्मानंद स्कूलों को पीएमश्री में मर्ज करने के फैसले पर पैरेंट्स एसोसियेशन ने उठाए सवाल

राजनांदगांव(नांदगांव टाइम्स)। कांग्रेस सरकार द्वारा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल वर्ष 2020 में आरंभ किया गया, और हिन्दी माध्यम स्कूल वर्ष 2022 में आरंभ किया गया। वर्तमान में कुल 751 स्वामी आत्मानंद स्कूल पूरे प्रदेश में संचालित है, जिसमें लगभग पांच लाख बच्चें पंजीकृत है और 14 हजार शिक्षक पदस्थ है। सरकारी हिन्दी मीडियम स्थापित स्कूलों को बंद कर उसे स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल बनाया गया। अब स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूलों को बंद कर पीएमश्री स्कूल बनाया जा रहा है, जिसको लेकर अब पैरेंट्स एसोसियेशन ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाया है। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने स्कूल शिक्षा विभाग और डीपीआई को पत्र लिखकर जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। श्री पॉल का कहना है कि आचार संहिता लगा हुआ है और प्रदेश के 311 स्वामी आत्मानंद स्कूलों को पीएमश्री स्कूल में मर्ज करने पंजीयन कराया जा रहा है, जबकि यह नितिगत निर्णय है और इस प्रकार का कोई निर्णय कैबिनेट की बैठक में कभी लिया ही नहीं गया, बावजूद इसके शिक्षा विभाग के अधिकारियों के द्वारा स्वामी आत्मानंद स्कूलों को पीएमश्री स्कूल में पंजीयन कराया जा रहा है, जो

झेरिया यादव समाज ने कानफोडू डीजे पर लगाया प्रतिबंध

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज संयुक्त जिला राजनांदगांवए चौकी.मोहला.मानपुरए खैरागढ.गंडई.छुईखदान का जिला स्तरीय बैठक यादव सामुदायिक भवन डोंगरगांव में जी आर अहीर संरक्षक के मुख्य आतिथ्य एवं ज्योतिष राम यादव संयुक्त जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता तथा भारत यादव वरिष्ठ उपाध्यक्षए सेवक राम यादव प्रदेश संगठन मंत्री एवं जिला महासचिवए मुकुंद यादव कोषाध्यक्ष के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ । ईष्ट देव भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ । सभी अतिथियों ने एकता शिक्षा तथा संगठनात्मक सक्रियता हेतु विशेष कार्यक्रम करने पर बल दिया गया। निरोग रहने के लिए साफ सफाई एवं स्वच्छता पर विशेष प्रकाश डाला गया । प्रदेश स्तरीय सामाजिक नियमावली पर विचार.विमर्श किया गया । सामाजिक कार्यक्रमों शादी.ब्याह व जन्मोत्सवए दीपावलीए गोवर्धन पूजा आदि तथा शोक कार्यक्रमों में नशापान पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाया गया है । शादी.विवाहए जन्म उत्सव संस्कार में डीजे नहीं बजाया जाएगा । लड़की.लड़का का रिश्ता तय करने से पहले अपने.अपने परिक्षेत्रीय अध्यक्ष से समाज के मुख्य धारा में जुड़े होने का प्रमाण पत्र लेना आवश्यक है । इस अवसर पर सहदेव यादव संरक्षकए पन्नालाल यादव अध्यक्ष डोंगरगांवए देव कुमार यादव अध्यक्ष कर्मचारी प्रकोष्ठ एवं प्रवक्ताए शिवकुमार यादव अध्यक्ष राजनीतिक प्रकोष्ठए विष्णु यादव अध्यक्ष खुज्जीए लखनलाल अहीर उपाध्यक्षए शत्रुहन लाल यादव अध्यक्ष छुरियाए परभू राम यादवए फागू राम यादवए पैनूराम यादवए दुखुराम यादवए गुरुदेव यादव कार्यकारिणी सदस्यए श्रीमती नंदनी अहीरए राकेश यादव अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठए जगतुरम यादव उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठए नील कुमार यादवए बैशाखू राम यादवए अनिल यादव नगर अध्यक्षए रोहित कुमार यादवए शंकर यादव उपाध्यक्षए कमलेश यादव सदस्यए मुरलीधर यादव कनेरीए प्रभु यादवए कमल यादव अध्यक्ष कोकपुर माहकाए अवध यादव अध्यक्ष चौकीए गया प्रसाद यादवए कन्हैयालाल यादवए कार्यकारिणी सदस्यए सुदामा यादव कोषाध्यक्ष चौकीए नरसिंग यादव सचिव खुज्जीए मनोज यादव उपाध्यक्षए पवन यादवए इंद्र कुमार यादव उपाध्यक्षए उर्मिला अहीरए संगीता अहीरए श्रीमती संतोषीयादवए यादवए संतोष यादव सचिवए नंदू यादवए हीराराम यादव उपाध्यक्ष भारत लाल यादवए श्याम लाल यादव संरक्षक चौकीए चंद्रहास यादवए संतोष यादवए भूपेंद्र यादव उपाध्यक्षए अंजोरी राम यादवए शुकालू राम यादवए हेमंत यादव उपाध्यक्ष कोकपुर माहकाए पुनाराम यादवए विष्णुराम यादवए रामदीन यादव सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित थे ।

विप्र स्वास्थ्य सेवा संगठन का निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, मां भानेश्वरी जयंती के दिन 9 मई को मिनी स्टेडियम सिंघोला मे

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। स्वास्थ्यगत । सेवा कार्य मे समर्पित समाजसेवी संस्था विप्र स्वास्थ्यसेवा संगठन (छ.ग.) का आगामी निशुल्क स्वास्थ्य शिविर राजनांदगाँव मे आयोजित किया जा रहा है। आगामी गुरुवार 9 मई के दिन साहू समाज द्वारा माँ भानेश्वरी शक्ति पीठ सिंघोंला मे माँ भानेश्वरी जयंति उत्सव व वर वधु परिचय सम्मेलन का प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम होने जा रहा है। विशाल जन समूह वाले इस आयोजन मे विप्र स्वास्थ्य सेवा संगठन के चिकित्को और सहयोगीजन द्वारा आम सामान्य नागरिको को स्वास्थ्य से संबंधित सिकल्सेल, हृदयाघात, मधुमेह, लकवा इत्यादि गंभीर बीमारियों के प्रति सचेत करने के लिए रक्त जांच व अन्य संभावित जागरूकता कार्य निशुल्क रूप से किया जायेगा। इस दौरान संगठन के डॉ. सतीश दीवान, डॉ. सुशील बागड़े, सुश्री लीना गौराहा, श्री भोला महतो, डॉ. करतार सिंह कंजवानी (जनरल प्रेक्टिस, राजनांदगाँव), डॉ. साहू (रूष्ठ) अपनी सेवाएं देंगे। संगठन के इस शिविर मे श्री श्याम केशवानी द्वारा रक्तदान की सुविधा रहेगी। संगठन द्वारा आयोजित इस समाजसेवी कार्यक्रम मे सहभागी होने के इच्छुक आप सभी का स्वागत है।

न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम

ईकोर्ट प्रकरण कमांक 202404080800005/अ-6 अ/वर्ष 2023-24
ग्राम इंदौरी प0ह0नं0 -24

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ङ्क आवेदक जवाहर लाल टंडन पिता नरभुवन टंडन जाति सतनामी निवासी ग्राम इंदौरी तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम छ0ग0 ने आवेदन पेश किया है कि आवेदक के नाम व स्वामित्व की भूमि ग्राम इंदौरी प.ह.नं. 24 तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम में खसरा नंबर 2503 रकबा 0.113 हे. भूमि स्थित है। उक्त वर्णित भूमि कम्प्यूटर ऑनलाईन त्रुटिवश अनावेदक सोनकलिया पति नामनाथ के नाम पर प्रदर्शित हो रहा है। आवेदन ने उक्त त्रुटि सुधार किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त वाद भूमि के संबध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति हो तो मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर मेरे समक्ष लिखित रूप से पेशी तारीख 15.05.2024 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् के दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार आज दिनांक 30.04.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलीन की मुहर से जारी किया गया ।

पेशी दिनांक- 15.05.2024

सील — नायब तहसीलदार पिपरिया

सर्वेश्वरदास विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन 10 मई तक

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। सर्वेश्वरदास नगर पालिक निगम शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय राजनांदगांव में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई 2024 है। प्रवेश के लिए पात्र-अपात्र बच्चों की सूची 11 मई 2024 को विद्यालय के नोटिस बोर्ड में चस्पा कर दी जाएगी। जारी सूची के संबंध में आवेदक या पालक 11 से 13 मई 2024 तक विद्यालय में दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

शुभांक

1-6-7

116-8 670-3

भाग्यांक

577-9 349-6

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), राजनांदगांव, जिला-राजनांदगांव, छत्तीसगढ

// ईश्तहार //

क्र./ प्रवा0-3/अ0वि0अ/2024
राजनांदगांव, दिनांक 22.04.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शंकर चौहान पिता हवासिंह चौहान निवासी चिखली, राजनांदगांव, तहसील व जिला राजनांदगांव के द्वारा निज स्वामित्व की भूमि ग्राम गठूला, पटवारी हल्का नंबर 32, खसरा नंबर 326 रकबा 0.9430 हेक्टेयर के औद्योगिक प्रयोजन हेतु पुनर्कर निर्धारण किए जाने बाबत आवेदन पत्र / शपथ पत्र /खसरा बी-1/ नक्शा/ऋष्ण पुस्तिका की प्रति/पंजीयन बैनामा/नगर एवं ग्राम निवेश विभाग द्वारा उक्त खसरे पर स्वीकृत अभिन्यास की प्रति के साथ प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त कृषि भिन्न, पुनर्कर निर्धारण बाबत जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना दावा/आपत्ति इस उद्घोषणा प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि 01/05/2024 तक न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 22.04.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मोहर से जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) राजनांदगांव

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ

मामले की श्रेणीः राजस्व
संदर्भः- जिला- राजनांदगांव तहसील-डोंगरगढ़ प.ह.न.-00029 राजक?ट्टा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- CO-2024-25-127-1-52

ईश्तहार

तहसील डोंगरगढ़ के प.ह.न. 00029 के अंतर्गत ग्राम राजकट्टा के वर्तमान भूमिस्वामी DHANOJ DUGGA पिता/पति-BISNATH DUGGA पता BHAGATSINGH CHAUK WARD NO 18 DONGARGARH TAH DONGARGARH DISTT RAJNANDGAON CG के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 56/2(0.3650) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता VIKAS KUMAR पिता/पति-VISHVANATH पता-FAKKITOTA ANDI TAHSHIL DONGARGARH DISTT RAJNANDGAON CG के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 09/05/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालयतहसीलदारडोंगरगढ पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18/04/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार डोंगरगढ़

ज्ञान मंथन

1) लोलाड्र्स किसके समर्थक माने जाते है?

2) प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत कब की गयी?

3) किस देश के पुरापाषाणविदों ने शाकाहारी डायनासोर, चाकिसॉरस नेकुल की खोज किया है?

4) मूँगा चट्टान किस महासागर में पाई जाती है?

5) भारतीय नौसेना में 26वें नौसेना प्रमुख का पदभार संभाला है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) वाइक्लिफ(2) 1 अप्रैल, 1973 (3) अर्जेंटीना (4) प्रशांत महासागर (5) दिनेश कुमार त्रिपाठी

भगवान परशुराम प्राकट्य उत्सव की रहेगी धूम

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ राजनांदगांव अंतराष्ट्रीय ब्रह्मण महासंघ समाज के जिला अध्यक्ष डॉ शारदा प्रसाद मिश्रा निवासी रतनभाट ने भगवान परशुराम जयंती की शुभकामना साथ ही लखन प्रसाद मिश्रा, गिरधारी प्रसाद मिश्रा, बसंती मिश्रा माया देवी, पूर्णिमा मिश्रा ने भी शुभकामना दिए , शारदा प्रसाद मिश्रा ने भगवान परशुराम के पुण्य कार्य को बताया कि भगवान विष्णु के आवेशावतार हैं। राजा रवि वर्मा द्वारा परशुराम का चित्र। महाभारत और विष्णुपुराण के अनुसार परशुराम का मूल नाम राम था किन्तु जब भगवान शिव ने उन्हें अपना परशु नामक अस्त्र प्रदान किया तभी से उनका नाम परशुराम हो गया। किन्तु जब भगनामकरण संस्कार के अनन्तर राम कहलाए। वे जमदग्नि का पुत्र होने के कारण जामदग्न्य और शिवजी द्वारा प्रदत्त परशु धारण किये रहने के कारण वे परशुराम कहलाये। आरम्भिक शिक्षा महर्षि विश्वामित्र एवं ऋचीक के आश्रम में प्राप्त होने के साथ ही महर्षि ऋचीक से शार्ङ्ग नामक दिव्य वैष्णव धनुष और ब्रह्मर्षि कश्यप से विधिवत अविनाशी वैष्णव मन्त्र प्राप्त हुआ। तदनन्तर कैलाश गिरिश्रृंग पर स्थित भगवान शंकर के आश्रम में विद्या प्राप्त कर विशिष्ट दिव्यास्त्र विद्युदभि नामक परशु प्राप्त किया। शिवजी से उन्हें श्रीकृष्ण का त्रैलोक्य विजय कवच, स्तवराज स्तोत्र एवं मन्त्र कल्पतरु भी प्राप्त हुए। चक्रतीर्थ में किये कठिन तप से प्रसन्न हो भगवान विष्णु ने उन्हें त्रेता में रामावतार होने पर तेजोहरण के उपरान्त कल्पान्त पर्यन्त तपस्यारत भूलोक पर रहने का वर दिया। वे शस्त्रविद्या के महान गुरु थे। उन्होंने भीष्म, द्रोण व कर्ण को शस्त्रविद्या प्रदान की थी। उन्होनें कर्ण को श्राप भी दिया था। उन्होंने एकादश छन्दयुक्त शिव पंचत्वारिंशनाम स्तोत्र भी लिखा। इच्छित फल-प्रदाता परशुराम गायत्री है- ? जामदग्न्याय विद्महे महावीराय धीमहि, तन्नः परशुरामः प्रचोदयात। वे पुरुषों के लिये आजीवन एक पत्नीव्रत के पक्षधर थे। उन्होंने अत्रि की पत्नी अनसूया, अगस्त्य की पत्नी लोपामुद्रा व अपने प्रिय शिष्य अकृतवण के सहयोग से विराट नारी-जागृति-अभियान का संचालन भी किया था। अवशेष कार्यो में कल्कि अवतार होने पर उनका गुरुपद ग्रहण कर उन्हें शस्त्रविद्या प्रदान करना भी बताया गया है।

तीन चरणों के बाद तय देश में कांग्रेस इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है - दीपक बैज

रायपुर । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि तीन चरणों के मतदान के बाद तस्वीर बहुत हद तक साफहो गयी। 400 का नारा देने वाली भाजपा 150 नहीं पहुंच रही है। आधे से ज्यादा सीटों पर चुनाव हो गया है। भाजपा इन सीटों पर बुरी तरह पिछड़ चुकी है। देश में कांग्रेस इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है। तीन चरणों के मतदान के बाद मोदी और भाजपा घबरा गये उनके भाषणों का रुख बदल गया। वे अपनी 10 साल की कोई भी उपलब्धि नहीं बता पा रहे है। चुनाव को हिन्दू, मुस्लिम, मंगलसूत्र, मछली, मटन, मीट तक ले जाने की तमाम कोशिशे मोदी और उनके साथियों ने किया।लेकिन तीसरे चरण के मतदान के बाद साफहो गया भाजपा के बहकावे मे जनता नहीं आयी। इस चुनाव में भाजपा का हिडन एजेंडा संविधान को बदलने और आरक्षण को समाप्त करने का बेनकाब हुआ। जनता यह समझ गयी कि संविधान बदलने के लिये भाजपा 400 पार का नारा दे रही है। लोग यह भी जान गये कि यह संविधान इसलिये बदलना चाह रहे कि बाबा साहब ने वंचित वर्गों के लिये जो प्रावधान संविधान में किया है वह संविधान बदलकर समाप्त किया जा सके। लेकिन भाजपा की यह बदनीयती खुलकर जनता के सामने आ गयी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि इस चुनाव के प्रचार को कांग्रेस पार्टी ने सकारात्मकता के साथ किया। हमने अपने न्याय पत्र को जनता के सामने रखा है। यही कारण है कि देश भर में जनता बदलाव के लिये मतदान कर रही है।तीन चरणों में यह साबित हुआ।

प्लेसमेंट कर्मचारियो को कार्यलीन समय में उपस्थित नहीं होने के कारण बताओ नोटिस जारी

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। कार्यलीन समय में उपस्थित नहीं होने के कारण दो प्लेसमेंट कर्मचारियो को कारण बताओ नोटिस मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीएमओ चन्द्रकांत शर्मा के द्वारा जारी किया गया है। प्रेस नोट में उल्लेख है कि 08 मई को सीएमओ के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान पाया गया था कि, दोप. लंच के बाद कार्यालय के लोककर्म कक्ष में ताला बंद पाया गया। और निष्ठा एप से जांच करने पर पाया गया है कि प्रायः प्लेसमेंट श्रमिक जयेश सहारे एवं श्रीमती माधुरी मंगर समयानुसार उपस्थिति दर्ज नहीं करते एवं समय पर कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते है। जिससे कार्यालयीन कार्य समय पर नहीं हो पा रहा है। जिससे आम नागरिकों को समय पर जवाब देने में कठिनाई हो रही हैं। कार्य के प्रति घोर लापरवाही के कारण 24 घंटा के भीतर अपना स्पष्टीकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर लिखित में जवाब प्रस्तुत करने का नोटिस जारी किया गया है व जवाब संतोषप्रद नहीं पाये जाने पर प्लेसमेंट कार्य से मुक्त करने का उल्लेख किया गया है। पूर्व में भी कर्मचारियो को कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है। आपको बता दें कि नपा के परमानेंट सहित प्लेसमेंट को नोटिस जारी किया गया है व हिदायत दी गई है कि पूरी ईमानदारी व निष्ठा से अपने कार्य की जिम्मेदारी निर्वहन किया जाए अन्यथा वेतन कटोती सहित कार्यमुक्त की कार्यवाही की जा सकती है।

मतगणना के लिए स्ट्रांग रूम 04 जून 2024 को प्रातः 7 बजे खोला जाएगा

कवर्धा (नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 मतदान के बाद 71 पंडरिया एवं 72 कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के ईवीएम, वीवीपैट कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर रोड़ कवर्धा में स्थित स्ट्रांग रूम में आवश्यक सुरक्षा के साथ सुरक्षित रखा गया है। मतगणना के लिए स्ट्रांग रूम 04 जून 2024 को प्रातः 7 बजे खोला जाएगा। उस समय अभ्यर्थी या उसके निर्वाचन अभिकर्ता उपस्थित रह सकते है। तत्पश्चात प्रातः 08 बजे से मतगणना कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

अवैध शराब बेचते युवक गिरफ्तार

रायपुर। गोबरानवापारा पुलिस ने अवैध शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 10 पाव देशी शराब और बिक्री रकम 360 रुपए जब्त किया है। गोबरानवापारा पुलिस को सूचना मिली कि सतनामीपारा में एक युवक अवैध शराब बेच रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी प्रहलाद कोसले 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 10 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 360 रुपए जब्त किया है।

अक्षय तृतीया पर वात्सल्य मंदिर में परिणय सूत्र में बंधेंगे जोड़े

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। भगवान परशुराम जयंती अक्षय तृतीया के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ के वात्सल्य मंदिर में वैवाहिक जोड़े परिणय सूत्र में बंधने जा रहे हैं। ?आयोजन की तैयारी पूरी कर ली गई। शुक्रवार 10 मई अक्षय तृतीया के दिन शक्तिपीठ के वात्सल्य मंदिर में गायत्री शक्तिपीठ ?के पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जोड़ों का विवाह संस्कार सम्पन्न कराया जाएगा। गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य ?ट्रस्टी ? सूर्यकांत चितलांग्या व उप ट्रस्टी बृजकिशोर सुरजन ने बताया कि सत्य सनातन हिन्दू धर्म में मनुष्य के जीवन के सोलह संस्कारों का विशेष महत्व है। इसमें से एक महत्वपूर्ण संस्कार विवाह संस्कार है। गायत्री शक्तिपीठ के पुरोहितों द्वारा यज्ञायोजन के बीच वैदिक मंत्रोच्चार करते हुए विधि- विधान के साथ विवाह संस्कार सम्पन्न कराया जाता है। ट्रस्टी द्वय ने बताया कि गायत्री शक्तिपीठ में नव युगल जोड़ों का वैदिक विधि से विवाह संस्कार के लिए पंजीयन कर ली गई हैं।

गृहे- गृहे गायत्री यज्ञ व संस्कार

गायत्री मंदिर के व्यवस्थापक भाई ओमप्रकाश ने बताया कि वैशाख पूर्णिमा तिथि 23 मई को अ0भा0 गायत्री परिवार द्वारा पूरे देश भर में गृहे- गृहे गायत्री यज्ञ- उपासना का आयोजन किया जा रहा है।यह दिन परम पूज्य गुरुदेव श्री राम शर्मा आचार्य जी की जीवन संगिनी वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी वर्ष का शुभारंभ दिवस है।इस महान शुभ अवसर पर देव संस्कृति की धर्म ध्वजा के तले हमारे अन्य भाई- बहनों को भी लाना है। इसकी भी व्यापक तैयारी गायत्री शक्तिपीठ द्वारा की जा रही है। उन्होंने बताया कि गायत्री शक्तिपीठ द्वारा भगवान परशुराम जयंती अक्षय तृतीया के अवसर पर वात्सल्य मंदिर में आयोजित यज्ञायोजन व विभिन्न संस्कारों के बीच सम्पन्न होने वाले नव युगल जोड़ों के विवाह संस्कार में शामिल होने व उन्हें दूधो नहाओ, पूतो फलों का,, आशीर्वाद देने के लिए समस्त गायत्री परिजनों व सत्य सनातन धर्मियों को अधिकाधिक संख्या में उपस्थित की अपील की गई है।

आज के विजीट में आयुक्त श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र पहुंचे और सफाई पानी की जानकारी लिये

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। प्रतिदिन निरीक्षण की कडी में आज सुबह निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता तकनीकि एवं स्वास्थ्य अधिकारियो के साथ लखोली के जनता कालोनी, राहुल नगर, बैगापारा, धरसा रोड क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया वही पानी सप्लाई की क्षेत्रवासियों से जानकारी लेकर कम पानी आने का निराकरण करने तकनीकि अधिकारियों को निर्देश दिये। सबसे पहले आयुक्त श्री गुप्ता लखोली स्कूल के पास सुलभ शौचालय का निरीक्षण कर सफाई के आभाव एवं पानी की सुविधा नहीं होने पर नराजगी व्यक्त करते हुये सुलभ के संचालक को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने हाजरी रजिस्टर की जॉच कर कर्मचारियों के संबंध में जानकारी लेकर निर्धारित समय तक सफाई कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि श्रमिक बहुल्य क्षेत्रों में मौसमी बिकारी को ध्यान में रखते हुये साफसफाई की समुचित व्यवस्था करे, लोगों को भी साफसफाई रखने हेतु समझाईस देवे। इसके अलावा लखोली शीतला तालाब के आस पास साफसफाई रखने निर्देशित किये। आयुक्त श्री गुप्ता ने निर्माण कार्य निरीक्षण के दौरान जनता कालोनी में निर्माणाधीन पुलिया निर्माण कार्य देख कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने प्र.कार्यपालन अभियंता श्री कामना सिंह यादव से कहा कि सभी निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान रखकर नियमित रूप से तराई करावे। उन्होंने जनता कालोनी, राहुल नगर में पानी के संबंध में लोगों से जानकारी ली। कम पानी आने की शिकायत पर उक्त क्षेत्र में पानी सप्लाई के समय पहुँचकर जॉच करे एवं उसका निराकरण करने अधिकारियों को निर्देशित किये। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों सें पानी कम आने या गंदा आने की शिकायत प्राप्त होती है, उसका स्थल निरीक्षण कर निराकरण करे, ताकि गर्मी में पर्याप्त पानी सप्लाई हो सके। निरीक्षण के दौरान प्र.सहायक अभियंता श्री दिलीप मरकाम, उप अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा, वरिष्ट स्वच्छता निरीक्षक श्री राजेश मिश्रा,स्वच्छता निरीक्षक श्री दीपक श्रीवास्तव, जिला समन्वयक एसबीएम श्री देवेश साहू व श्री कीर्तन साहू, प्र.पटवारी श्री मिलिन्द रेड्डी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ -अक्ती, आखा- तीज त्यौहार

मदन मंडावी

हमारे छत्तीसगढ़ में गांव के ठाकुर देव को वंदन अभिनंदन करने का पर्व है अक्ती (अक्षय तृतीया)। प्रतिवर्ष यह अक्ती का त्योहार वैशाख माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है ।यह भी हमारे ग्रामीण अंचलों में कृषक भाइयों से जुड़ा हुआ पर्व है।

अक्ति अव्वल, प्रथम आखा तीज, बिजरी - संजोरी जिसे किसान का प्रथम पर्व माना जाता है ।आजकल सुनने में आता है कि, अनेक त्योहारों को प्रथम त्यौहार फिजूल में ही बोल दिया जाता है। किसानों का त्योहार मौसम पर आधारित है। प्रत्येक मौसम की शुभारंभ में प्रथम त्यौहार मनाया जाता है। वर्षा ऋतु में हरेली (हरियाली) और बरसात जैसे ही अंतिम होता है और सर्दी का मौसम शुरू होता है, तो छत्तीसगढ़ में सुरोहोति (दिवाली) का पर्व मनाया जाता है। सर्दी पूर्ण रूप से विदाई ले लेते हैं तब ग्रीष्म ऋतु के तपती धूप में अक्ती (अक्षय तृतीया)का पर्व मनाया जाता है। कृषक समुदाय धरती से उत्पन्न किसी भी चीजों को उपयोग करने से पूर्व ग्राम के देवी- देवताओं को भोग अर्पण करते हैं, और अपने ग्रामीण देवी- देवताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं । अक्ती त्यौहार के पीछे कई कथा और किवंदतियाँ जुड़ा हुआ है। भारत देश के अलग-अलग अंचलों में इस पर्व को अपनी - अपनी मान्यताएं ,आस्था ,विश्वास के साथ मनाते हैं।

आइये छत्तीसगढ़ की संस्कृति से जुड़े हुए अक्ती त्यौहार को मनाय जाने की मूल रहस्य को जानते हैं।

यह त्यौहार किसी जाति - धर्म से संबंधित नहीं है। अनाज उत्पादक किसानों से जुड़ा हुआ है ।किसानों के समस्त देवी - देवता गांव में ही बसते हैं ।ग्राम का प्रमुख देव है ठाकुरदेव जिसे गांव का प्रथम कृषक माने जाते हैं। मान्यता है कि उनके बिना गांव नहीं बसाया जा सकता। अक्ती का त्योहार कृषक कार्यों की कृषिगत संसाधनों एवं ग्रामीण वैज्ञानिक तकनीकी अवधारणाओं से जुड़ा हुआ है । जिससे कृषकों को खेती कार्य संबंधित व्यवस्था , रखरखाव की जानकारी मिलती है। गांव का ठाकुर देव 卐गुड़ी 卐एक प्रकार का बीज उपचार का प्रयोगशाला होता है । प्राचीन काल से ही गांव में सामूहिक कृषि करने की एक परंपरा रही है। मिलजुल कर रहने की जीवन शैली सुख-दुख के कार्यों में पारस्परिक निर्भरता, सहज अनुभूति का दर्शन , ग्राम्य जनजीवन में रहा है। कृषक कृषि कार्य का शुभारंभ करने से पूर्व अच्छे किस्म का बीजों का चयन कर संरक्षण करते थे ,और निम्न क्वालिटी के बीजों को अलग रख देते थे ।इस परंपरा का निर्वहन करते हुए आज भी लोग गांव के ठाकुर देव के पास जाकर श्रद्धा भक्ति के साथ कृषि कार्य का प्रदर्शन करते हैं। अपने - अपने घर से पलाश वृक्ष के नए पत्तों का दोना बनाकर उसमें महुआ, चना, मटर, मूंग, लाखडी ,उड़द जैसे दलहन अनाजों को भर लेते हैं ,साथ ही एक दोहना (पत्ते का पात्र)में धान के बीच को भी ले जाते हैं ।सुबह के समय स्नान कर गांव के सभी कृषक समुदाय ठाकुर देव जी के पास इकट्ठा होते हैं ,जब सभी लोग इकट्ठा हो जाते हैं तब गांव के बैगा - गुनिया, हुमदेवा (पुजारी), ग्राम प्रमुख मिलकर हुम - धूप, से सेवा अर्जी विनती कर अभिवादन प्रस्तुत करते हैं ।इसके पश्चात किसानी के सभी प्रक्रिया को कुछ लोगों के माध्यम से प्रदर्शित करते हैं ।जैसे- खरपतवार साफ करना, कलशे के पानी से वर्षा करना, दो लोगों को बैल बनाकर हल के नास से जमीन का जुताई करना, हसिया- कुदाली से निंदाई कोड़ाई करना, फिर धान लुना, गठ्ठा बांधना कोठार (भंडार)बनाकर नीम के डाली से मिंजाई करना और दलहन अनाजों को मिट्टी के हांडी पर भुनना ,प्रसाद स्वरूप सभी को बांटना और खाना ।और अंतिम में गांव भर से इकट्ठा हुए धान बीजों को दोहना(दोना)से बैगा जी के हाथों से ठाकुरदेव का आशीर्वाद मानकर ग्रहण करना एवं संध्या बेला में खेत पर जाकर विधि विधान पूर्वक बीज बोना। इस प्रकार से इस दिन ग्रामीण कृषि संस्कृति को देव विधि-विधान पूर्वक स्वीकार कर लेते हैं। इस त्यौहार को मनाने के पश्चात किसान अपने खेती - किसानी का कार्य प्रारंभ कर लेते हैं ।गांव के ठाकुर देव अन्न भंडार का रक्षक माने जाते हैं। पुराने समय में इस दिन कृषि वैज्ञानिक इस मौसम में ग्रीष्म की तपन से हवा ,पानी और फसलों के कम - ज्यादा होने का अनुमान भी लगा लेते थे। गांव में किसी वस्तु का पर्व से पहले उपयोग करने की मनाही है। जैसे जब तक गांव घर के देवी - देवता में नए धान गेहूं की बाली नहीं चढ़ाया जाता तब तक नहीं खा सकते ।वैसे ही पलसा के नए पत्ते, नए कलशा के पानी बिना अक्ती त्यौहार मनाए नहीं पी सकते। इस दिन को किसान लोग बहुत ही शुभकारी मानते हैं। कहीं-कहीं पर पुतला- पुतली का विवाह भी संपन्न करते हैं। किसी-किसी समाज में अपने पुरखों को अक्ती जल अर्पण करने की रिवाज भी है।

मदन मंडावी ग्राम -ढारा(करेला) डोंगरगढ़

धर्म समाचार....

अक्षय तृतीया पर तिजोरी में रखें ये चीजें, जीवन में कभी नहीं होगी धन की कमी

अक्षय तृतीया हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। यह दिन सभी शुभ कार्यों के लिए अच्छा माना जाता है। पंचांग के अनुसार हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर अक्षय तृतीया मनाई जाती है। शुभ अवसर पर स्नान-दान तप करने का विधान है। साथ ही मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है।

सनातन धर्म में अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना शुभ बेहद माना गया है। इस पर्व को अक्खा तीज के नाम से भी जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर अक्षय तृतीया मनाई जाती है। शुभ अवसर पर स्नान-दान, तप करने का विधान है। साथ ही मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि अक्षय तृतीया पर कुछ चीजों को तिजोरी में रखने से धन में वृद्धि होती है और जातक को कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता। आइए जानते हैं कि अक्षय तृतीया पर तिजोरी में किन चीजों को रखना फलदायी होता है।

तिजोरी में रखें ये चीजें- मान्यता है कि श्रीयंत्र सुख-संपत्ति प्रदान करता है। अक्षय तृतीया पर तिजोरी में श्रीयंत्र को रखने से जातक को जीवन में विशेष लाभ प्राप्त होता है। इसे तिजोरी में रखने से पहले पूजा कर गंगाजल से पवित्र करें। इसके बाद 'ऊँ श्रीं' मंत्र का 108 बार जाप करें। मां लक्ष्मी की पूजा करने के पश्चात तिजोरी में श्रीयंत्र को स्थापित करें। इस उपाय को करने से तिजोरी धन से सदैव भरी रहती है। अक्षय तृतीया पर सोना और चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। अक्षय तृतीया पर चांदी के सिक्के को लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखें या फिर जिस जगह पर आप पैसे रखते हैं वहां इसे रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से कभी धन की कमी नहीं होती और पैसों से तिजोरी हमेशा भरी रहती है। घर में कुबेर यंत्र को धन की प्राप्ति के लिए रखा जाता है। आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए कुबेर यंत्र की पूजा-अर्चना की जाती है। अगर आप सुख, समृद्धि, सौभाग्य और धन की प्राप्ति चाहते हैं, तो अक्षय तृतीया पर कुबेर यंत्र की पूजा करें और इसे तिजोरी में स्थापित करें। माना जाता है कि तिजोरी में कुबेर यंत्र रखने से धन की नहीं होती।

इस दिशा में रखें तिजोरी- वास्तु शास्त्र में तिजोरी को रखने के लिए भी सही दिशा का वर्णन किया गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, तिजोरी को घर में दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना शुभ माना जाता है। अपने लॉकर को इस प्रकार रखें कि उसका दरवाजा उत्तर की तरफ खुलना चाहिए।

पुण्य देने वाला पर्व आजः वैशाख अमावस्या पर सूर्य को अर्घ्य देने और स्नान-दान से तृप्त होते हैं पितर, शाम को दीपदान की भी परंपरा

आज वैशाख महीने की अमावस्या है। बुधवार और अमावस्या का संयोग होना स्नान-दान के लिए शुभ माना जा रहा है। आज सूर्य और चंद्रमा एकसाथ मेष राशि में हैं। इनमें चंद्रमा अश्विनी नक्षत्र में है। जिसके स्वामी अश्विनी कुमार हैं। जो कि देवताओं के वैद्य हैं। वहीं सूर्य भरणी नक्षत्र में रहेगा। इस नक्षत्र का स्वामी यम हैं। जिससे इस दिन पितरों के लिए किए गए श्राद्ध और पूजा से सुख-समृद्धि बढ़ेगी।

शुभ संयोग में स्नान-दान का अक्षय फल- पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र का कहना है कि बुधवार को पड़ने वाली इस अमावस्या पर पितरों की विशेष पूजा की जाए तो परिवार के रोग, शोक और दोष खत्म हो जाते हैं।

वैशाख महीने की अमावस्या पर स्नान-दान करने से अक्षय फल मिलता है। सूर्योदय से लेकर अगले दिन सूर्योदय तक की अवधि में अमावस्या के दौरान स्नान-दान करने का खास महत्व है। साथ ही इस समय पितरों के लिए श्राद्ध करना चाहिए। जिससे पितृ पूरी तरह संतुष्ट हो जाते हैं।

स्नान-दान का महत्व- अमावस्या के दिन दान करना सबसे अच्छा माना गया है। देव ऋषि व्यास ने ग्रंथों में कहा है कि इस तिथि में स्नान और दान करने से हजार गायों के दान का पुण्य फल मिलता है। नदियों में स्नान का विशेष महत्व होता है।

अन्न-जल और दीपदान- ग्रंथों में लिखा है कि वैशाख महीने की अमावस्या पर जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाना चाहिए। साथ ही जलदान भी करना चाहिए। इससे स्वर्ण दान करने जितना पुण्य मिलता है। वहीं, शाम को दीपदान करने से यम देवता प्रसन्न होते हैं। ऐसा करने से हर तरह के दोष खत्म हो जाते हैं।

कलेक्टर ने धीरी परियोजना का किया निरीक्षण

कलेक्टर की पहल पर दुर्ग जिले से समन्वय करते हुए डूडा एनीकट के निर्माणाधीन कार्य को पूर्ण करने से मिला सुखद परिणाम

राजनांदगांव। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज राजनांदगांव स्थित धीरी परियोजना का निरीक्षण किया। इसके कुछ दिनों पहले कलेक्टर श्री अग्रवाल ने ग्राम ईरा में इंटकवेल का अवलोकन किया था, जहां पानी नहीं था। उन्होंने दुर्ग जिले से समन्वय करते हुए व्यक्तिगत तौर पर पहल की और दुर्ग जिले में डुडा एनीकट के निर्माणाधीन कार्य को पूर्ण कराने के लिए कहा, जिसका सुखद परिणाम मिला। धीरी परियोजना में अब पानी की समस्या नहीं है और जल से भरा हुआ है। इस परियोजना के तहत नदी से पानी लेकर उनका ट्रीटमेंट कर 24 गांवों में जल की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने इस दौरान ग्राम धीरा, सांकरा, धीरी और सोमनी में ग्रामीणों से पेयजल के संबंध में चर्चा की। ग्रामवासियों ने बताया कि कुछ स्थानों में पानी की समस्या है। गांव में टूल्लू पम्प लगे होने के कारण जल का स्तर नीचे चला गया है और कुछ घरों में पानी नहीं पहुंच पा

रहा है। कलेक्टर ने पंचायत एवं पीएचई विभाग की टीम को ग्रामों में निरीक्षण कर समाधान करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 28 करोड़ 77 लाख 44 हजार रूपए की लागत से निर्मित धीरी परियोजना से 24 गांव में पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसके अंतर्गत ग्राम सोमनी, खुटेरी, ठेकवा, ठाकुरटोला, मनकी, तोरनकट्टा, सुंदरा, ईरा, सांकरा, धीरी, फरहद, ककरेल, महुआभाठा, परमालकसा, अचानकपुर भाठापारा, बैगाटोला, नवागांव, फुलझर, बिरेझर, इंदावानी, टेड़ेसरा, कोपेडीह, मगरलोटा, देवादा लाभान्वित हो रहे हैं। इन ग्रामों में उच्चस्तरीय जलागार बनाया गया है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने सेवा सहकारी समिति सोमनी का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित किसानों से चर्चा की तथा काउंटर पर खड़े होकर खाद एवं बीज लेने के लिए आए किसानों की प्रक्रिया को देखा। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को दिक्कत नहीं होनी चाहिए। बैंक में किसानों को कम समय लगे इस बात के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री समीर शर्मा, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन श्री जीडी रामटेके सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अवैध शराब परिवहन करते 52 साल का अधेड़ गिरफ्तार

जिले में अवैध शराब बिक्री का बोलबाला, कार्यवाही में जुटी पुलिस

खैरागढ़ (नांदगांव टाइम्स)। जिले में अवैध जुआ, सट्टा, गांजा, शराब के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही करने के आदेश पर थाना प्रभारी निरीक्षक शिवशंकर गेन्दले के नेतृत्व में थाना छुईखदान पुलिस सायबर सेल खैरागढ़ के संयुक्त टीम के द्वारा डोकराभाठा तालाब के आगे रोड़ में नाकाबंदी कर अवैध रूप से शराब मोटर सायकल में परिवहन कर बिक्री करने ले जाते हुए आरोपी शेख मिलतार पिता शेख मोहर्रम उम्र 52 वर्ष निवासी उदयपुर थाना छुईखदान के कब्जे से 44 पौवा देशी रोमियो प्लेन शराब एवं 16 पौवा गोवा अंग्रेजी शराब कुल मात्रा 10.800 बल्क लीटर कीमती 6040 रुपये एवं एक मो.सा.क्रमांक सीजी 08 एच 1630 बजाज प्लेटिना पुरानी 10,000 रूपये सहित कुल कीमत 16040 रुपये को जप्त को जप्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध किया गया. आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया हैं. उपरोक्त कार्यवाही में सहायक उप निरीक्षक के.के. राय, आरक्षक शिशुपाल साहू, अख्तर मिर्जा एवं सायबर सेल खैरागढ़ के प्रधान आरक्षक कमलेश श्रीवास्तव व आरक्षक त्रिभुवन यदु का सराहनीय योगदान रहा.

अवैध चखना सेंटरों एवं शराब बिक्री पर कार्रवाई नही

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। अर्जुनी में सिंगारपुर चौक पर स्थित देशी एवं विदेशी शराब दुकान के सामने अवैध चखना दुकानों की संख्या बढ़ती जा रही है। सिंगारपुर चौक एवं पैरी धारसा मार्ग पर चखना सेंटरों की वजह से आने जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानीयो का सामना करना पड़ रहा है आबकारी एवं पुलिस विभाग की निष्क्रियता एवं लचर प्रशासनिक व्यवस्था के चलते पीने पिलाने वाले आम रास्ता पर मौज मस्ती कर रहे हैं। चखना दुकानें पूरी तरह अवैध बताई जा रही है व्यवस्थित ढंग से दुकान को खोली जाए तो शासन को राजस्व की आय होगी। वही शराब दुकान के मैनेजर एवं सेल्समेन की तगड़ी सेटिंग कोचियो से बनी हुई हैं। क्षेत्र में अर्जुनी बाजार चौक, सिंगापुर चौक में अवैध शराब की बिक्री खुलेआम हो रही है मंदिरा प्रेमियों को शराब दुकान से शराब उपलब्ध नहीं होने की शिकायतें सामने आया है। शराब दुकान पर रोज लंबी लाइन लगी रहती है भीड़ में पॉकेट मार सी सक्रिय है कोचियों को आसानी से काफी मात्रा में शराब की पौवा मिल जाती है। आबकारी विभाग एवं मैनेजर की कोचियो से मिलीभगत से अवैध शराब बिक्री चखना सेंटर फल फूल रहे है।

देहेन्द्रिय प्राणान्त : करण निरपेक्ष कर्त्ता विभु , अविक्रय, चिदात्म स्वरूप है ब्रह्म - पुरी शंकराचार्य

अरविन्द तिवारी की रिपोर्ट

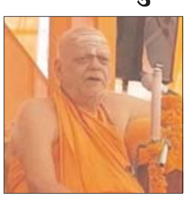

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। हिन्दूओं के सार्वभौम धर्मगुरु एवं हिन्दू राष्ट्र प्रणेता पुरी शंकराचार्य स्वामी श्रीनिश्चलानन्द सरस्वतीजी महाराज प्रशस्त दिग्दर्शन के अंतर्गत चर्चा करते हुये संकेत करते हैं कि वेदादि शास्त्रों के तात्पर्य का संरक्षण सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। वेदादि शास्त्रों के सर्वथा विपरीत आगम सर्वथा त्याज्य है। शास्त्र तात्पर्य को सर्वथा विपरीत, अयथावत्, दिशाहीन और अपूर्ण समझने पर व्यवहार भी सर्वथा विपरीत, अयथावत्, दिशाहीन और अपूर्ण हो जाता है। व्यवहार के सर्वथा विपरीत, अयथावत्, दिशाहीन और अपूर्ण होने पर परमार्थ पथ विलुप्त, दुर्गम, दुर्लभ और प्रतिबद्ध हो जाता है द्य वैदिक कर्म के उत्कर्ष और वेदों के स्वत: प्रमाणत्व की सिद्धि की भावना से भी ईश्वर का निराकरण भयप्रद है। कारण यह है कि अभ्युदय प्रद कर्मों की सिद्धि शब्द ब्रह्मात्मक वेदों से और वेदों की सिद्धि नि:श्रेयस प्रद स्वप्रकाश ब्रह्म से सम्भव है। उसके प्रति समर्पित तदर्थ कर्म का नि:श्रेयस की सिद्धि में प्रयुक्त तथा विनियुक्त होना सुनिश्चित है। अन्यथा कर्म अपने कर्त्ता को अपूर्व संज्ञक यज्ञ के द्वार से पर्जन्य, अन्न तथा प्रजा और पुनर्भव का प्रदायक होता है। उक्त रीति से ऊर्ध्व मुख कर्म ब्रह्म सिद्धि रूपा पुनर्भव की असिद्धि में और अधोमुख कर्म पुनर्भव की सिद्धि में अमोघ हेतु है। कर्म कर्तृतन्त्र है। कर्त्तृत्व देहेन्द्रिय प्राणान्त:करण सापेक्ष है। यद्यपि देहेन्द्रिय आदि के प्रयोक्ता का स्वातन्त्र्य सिद्ध है, तथापि देहादि के अधीन प्रयोक्तृत्व के कारण उसका पारतन्त्र्य भी चरितार्थ है। क्रिया से अनुचित करण और करण से अनुमित प्रयोक्ता अर्थात् कर्त्ता मान्य है द्य देहेन्द्रिय प्राणान्त:करण निरपेक्ष कर्त्ता विभु, अविक्रिय, चिदात्म स्वरूप ब्रह्म है। इन्द्रिय, प्राण और अन्त:करण का अभिव्यञ्जक संस्थान देह है। आत्मा अद्वय ज्ञान स्वरूप है, ना कि ज्ञान क्रिया का कर्त्ता। ज्ञानेन्द्रिय सहित बुद्धि के योग से उसमें ज्ञान शक्ति का तथा मनोयोगसे उसमें इच्छा शक्ति का तथा कर्मेन्द्रिय सहित प्राण के योग से क्रिया शक्ति का संचार होता है। ज्ञाता, ज्ञान, ज्ञेयरूप कर्मनोदना के अनन्तर कर्त्ता, करण, कर्मरूप, कर्म संग्रह रूप हेतुओं से कर्म निष्पाद्य है। कर्त्ता का ज्ञाता, करण का ज्ञान और कर्म का ज्ञेय पूर्वरूप है। निरुपाधिक चिद्धातु ना ज्ञान का आश्रय ज्ञाता है, ना ज्ञान का विषय ज्ञेय ; तद्वत् वह ना करण का आश्रय है, ना करण का विषय। वह इनसे सर्वथा अतीत सच्चित् सुख स्वरूप ही सिद्ध है। इस प्रकार, कर्म वेदों का पूर्वतन्त्र है और ब्रह्म वेदों का उत्तरतन्त्र । कर्म ब्रह्म से प्रवृत्त तथा ब्रह्मार्थ प्रयुक्त होने योग्य है। ब्रह्म अनुमान सिद्ध नहीं , अपितु आगम का मूल तथा आगम सिद्ध है। कर्म प्रकरण में फल प्रदायक ईश्वर का निराकरण अप्रमत्ता की सिद्धि तथा अनुमान सिद्ध ईश्वर की अर्थ क्रियाकारिता में अगति सिद्धि के अभिप्राय से है, ना कि आगम सिद्ध ईश्वर के निराकरण के अभिप्राय से। अभिप्राय यह है कि प्रणवार्थ ब्रह्म की सिद्धि के लिये अपेक्षित अप्रमत्तता की निष्पत्ति के लिये अप्रत्यवाय रहित कर्मानुष्ठान में अपेक्षित शुद्धता, दक्षता और अप्रमत्तता के सम्पादन में ईश्वर के नाम पर प्रमाद सर्वथा आत्मघात होने के कारण कर्म मीमांसकों को ईश्वर का निराकरण अभिमत है। अनुमान सिद्ध अग्नि में अभिमत कार्य सिद्धि की शक्ति असम्भव है, अत: अनुमान सिद्ध ईश्वर का निराकरण अपेक्षित है। सर्वेश्वर में स्वाभाविक ज्ञान- इच्छा - प्रयत्न तथा सर्व भवन सामर्थ्य की सिद्धि केवल अनुमान के बल पर असम्भव है। समग्र जगत् की उत्पत्ति, स्थिति, संहृति, निग्रह और अनुग्रह कर्त्ता सर्वरूप सर्वेश्वर का साङ्गोपाङ्ग समग्र विज्ञान केवल अनुमान से असिद्ध है। अनुमान सिद्ध ईश्वर केवल जगत् का निमित्त कारण और सगुण - निराकार होता है। वह जगत् का अभिन्न निमित्त उपादान कारण सिद्ध नहीं होता। आगमिक युक्तियों के बल पर ही उसे सर्वाधिष्ठान सच्चिदानन्द स्वरूप सिद्ध किया जा सकता है।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्श इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, प्रबंध सम्पादक- श्रीमती कल्पना पाण्डे । मो: 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com